A-0215

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

BASL–201

Bachelor of Arts (BA)

(पद्य गद्य एवं व्याकरण)

2nd Year Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. महाकवि भारवि का समय निर्धारण करते हुए उनके जीवनवृत्त पर प्रकाश डालिए।

2. महाकवि कालिदास का व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

3. 'अणुदित्सवर्णस्य चाप्रत्ययः' सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

4. बाणभट्ट की गद्य शैली की विवेचना कीजिए।

5. अधोलिखित श्लोकों की व्याख्या कीजिए :

(क) अस्त्युत्तरस्यां दिशि देवतात्मा हिमालयो नाम नगाधिराजः।

पूर्वापरौ तयोनिधी वगाह्य स्थितः पृथिव्या इव मानदण्डः॥

(ख) यश्चाप्सरोविभ्रममण्डानानां सम्पादयित्रीं शिखरैर्विभर्ति।

बलाहकच्छेदविभक्तरागामकाल सन्ध्यामिव धातुमत्ताम्॥

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. शुकनासोपदेश का कथासार लिखिए।

2. अधोलिखित गद्य की हिन्दी में व्याख्या कीजिए :

इन्द्रियहरिणहारिणी च सतत दुरन्तेयमुपभोगमृगतृष्णिका। नवयौवन कषायितात्मनश्च सलिलानीव तान्येव विषयस्वरुपाण्यास्वाद्यमानानि मधुरतराण्यापतन्ति मनसः। नाशयति च दिङ्गोह इवोन्मार्गप्रवर्त्तकः पुरुषमत्सासङ्गो विषयेषु।

3. निम्नलिखित श्लोक की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

शिरीषुपष्पाऽधिकसौकुमार्यो बाहू तदीयाविति में वितर्कः।

पराजितेनाऽपि कृतौ हरस्य यौ कण्ठपाशौ मकरध्वजेन॥

4. अधोलिखित सूक्ति व्याख्या कीजिए :

"हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः"।

5. निम्नलिखित पदों की सिद्धि कीजिए :

(क) नायकः

(ख) गंगोदकम्

6. निम्नलिखित सूत्रों की व्याख्या कीजिए :

(क) आदिरन्त्येन संहेता

(ख) मुखनासिकावचनोऽनासिकः

7. चन्द्रापीड के व्यक्तित्व का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

8. हिमालय पर्वत के वैभव का वर्णन कीजिए।

****